उत्तराखंड सरकार द्वारा चारधाम यात्रा की तैयारी के लिये समिति का गठन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को आगामी चारधाम यात्रा की तैयारी के लिये एक समिति गठित करने का निर्देश दिया।

प्रमुख बिंदु:

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश भी दिये:
  - चारधाम मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों पर **सीसीटीवी** लगाया जाना।
  - सरकार के स्तर से **सभी चारधामों की लाइव मॉनिटरिंग** की जानी चाहिये तथा **आपदा कन्ट्रोल रूम** को सुचारु रूप से संचालित किया जाना चाहिये।
  - **प्लास्टिक मुक्त चारधाम यात्रा** सुनिश्चित करना।
  - सभी धामों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किया जाना। रास्तों पर स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाए।
  - **चिकित्सा एवं अपेक्षित स्टाफ** की तैनाती के साथ-साथ यात्रा रास्तों पर अस्थायी चिकित्सा केंद्रों में जीवन रक्षक औषधियाँ, उपकरण, पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलिण्डर एवं एंबुलेंस/एयर एंबुलेंस की व्यवस्था।
  - घोड़ों एवं खच्चरों में बीमारियों की रोकथाम के लिये रास्तों पर पशु चिकित्सकों की तैनाती।
  - **सुरक्षा बलों की तैनाती की व्यवस्था**।
  - तीर्थयात्रा अवधि के दौरान यातायात प्रबंधन के लिये अतिरिक्त अधीक्षक और उससे ऊपर के रैंक के पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति।

नोट:

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला
  - **को समर्पित:** यमुना नदी देवी
  - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला
  - **को समर्पित**: गंगा नदी देवी
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान**: रुद्रप्रयाग ज़िला
  - **को समर्पित:** भगवान शिव
  - यह मंदाकिनी नदी के तट पर अवस्थित है।
  - भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला
  - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर के लिये प्रसिद्ध।
  - **को समर्पित:** भगवान विष्णु।
  - वैष्णवों के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-government-to-constitute-committee-to-prepare-for-char-dham-yatra